दिल्ली में चाची की चूत का मज़ा- 1

“यंग बॉय मास्टरबेशन स्टोरी में मेरी चाची मेरा ख्याल रखने मेरे साथ रहती थी. तब मुझे मुठ मारने में परेशानी होने लगी. मैं चाची से छुपाकर यह काम करता था. ...”

Story By: रूपेश वर्मा (rupeshv)
Posted: Friday, February 2nd, 2024
Categories: कोई देख रहा है
Online version: दिल्ली में चाची की चूत का मज़ा- 1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

दिल्ली में चाची की चूत का मज़ा- 1

यंग बॉय मास्टरबेशन स्टोरी में मेरी चाची मेरा ख्याल रखने मेरे साथ रहती थी. तब मुझे मुठ मारने में परेशानी होने लगी. मैं चाची से छुपाकर यह काम करता था.

नमस्कार दोस्तो, मैं राज !
मेरे पिछली कहानी थी : मौसी की बेटी की चूत की चिंगारी

अब मैं आपके सामने अपनी सेक्स कहानी के साथ हाजिर हूँ.

यह घटना मेरे साथ सच में घटी हुई है और यह सेक्स कहानी मेरे और मेरी चाची के बीच में हुई चुदाई की कहानी है.

यह तब की यंग बॉय मास्टरबेशन स्टोरी है जब मेरी चाची की उम्र 42 साल थी.
मेरी उम्र 24 साल थी और मैं अपनी कॉलेज की पढ़ाई खत्म करके दिल्ली गया था.

वैसे मैं पुणे से हूँ.
मैं दिल्ली यूपीएससी की तैयारी करने गया था.

वहां गए हुए मुझे एक ही महीना हुआ था कि मैं बीमार पड़ गया था.
मुझे वहां का खाना हजम नहीं हो रहा था और बार बार पेट खराब हो रहा था.

जब डॉक्टर से चेकअप करवाया तो पता चला पेट में इन्फेक्शन हुआ है.
इसलिए मैं वापस घर चला गया.

जैसे ही घर वापस आया तो घरवालों ने कहा- अगर ऐसी तबीयत खराब करनी है तो पढ़ाई

मत करो.

मेरा शरीर इतना दुबला हो गया था कि लग रहा था कि मुझे कोरोना होकर गया हो.
मैंने पापा से कहा- पापा, मुझे वहां का खाना बिल्कुल पसंद नहीं आया. खाना पच ही नहीं रहा.

वैसे बता दूँ कि हमारा परिवार संयुक्त परिवार है.
हमारा एक घर पुणे में है और एक पुणे के पास गांव में है.

मेरे चाचा-चाची, दादाजी और दादीजी गांव वाले घर में रहते हैं और पुणे वाले फ्लैट में मम्मी-पापा, भाई, मेरा चचेरा भाई और चचेरी बहन रहते हैं.

मेरे भाई और बहन पुणे में रह कर अपनी कॉलेज और स्कूल की पढ़ाई करते हैं.

मैंने पापा से जब यह कहा कि वहां का खाना मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लगा.
तब पापा ने कहा- ठीक ही और उधर किसी दूसरी जगह रह कर ट्राई करके देख ले, अगर पसंद आया तो ठीक … वरना वापस आ जाना और यहां से पढ़ाई कर लेना.

मैं जब वापस गया तब मैंने एक हफ्ते में 5 जगह जाकर उनकी मेस को ट्राई किया.
पर मुझे कोई पसंद नहीं आया.

मेरी पढ़ाई भी अच्छी तो नहीं कहूँगा, हां पर ठीक हो रही थी … तो वापस जाने का बिल्कुल मन नहीं था.

मेरे दादाजी ने पापा से कहा- अगर उसकी पढ़ाई उधर से ठीक हो रही है, तो उसकी चाची को उसके पास भेज देना. इससे उसका खाना भी अच्छा हो जाएगा और तबीयत भी ठीक रहेगी. यहां मेरा खाना उसकी दादी बना लेगी. इधर दो ही लोगों का खाना तो लगेगा.

जब ये बात पापा ने मुझे बताई, तब मैंने हामी भर दी क्योंकि वहां पढ़ाई का बहुत सही माहौल था.

मैंने एक फ्लैट देख लिया और जो जो जरूरी सामान लगने वाला था, वह सब चाँदनी चौक से खरीद लिया.
इसलिए सब कुछ बहुत सस्ते में निपट गया.

लगभग 15 दिन बाद मेरी चाची दिल्ली आ गयी थीं और दस ही दिन में हमारा सब कुछ सैट हो गया था.

मैं सुबह नाश्ता करके 9 बजे लाइब्रेरी चला जाता था.
दोपहर में एक बजे खाना खाने आता था और रात का खाना लगभग साढ़े सात बजे होता था.

अच्छे से दिन गुजर रहे थे. कभी कभार मोमोज वगैरह खाने चाची के साथ चला जाता था.
हमारे फ्लैट में मैंने वाईफ़ाई लगवाया था, तो कभी कभार रूम पर ही पढ़ाई कर लेता था.

बीच बीच में मेरा हस्तमैथुन भी हो जाता था. सब कुछ बहुत सही चल रहा था. तीन महीने तक मेरे किसी भी विचार में चाची नहीं आई थीं.

एक बार की बात है, जब मैं लंड हिला रहा था तो चाची ने मुझे देख लिया था.
मुझे तब पता नहीं लगा था, बाद में चाची ने बताया था.

एक बार ऐसे ही गूगल पर सर्फिंग करते समय मुझे अन्तर्वासना का पता चला था.

वहां एक सेक्स कहानी में मैंने मामी की चुदाई पढ़ी थी.
तब ऐसा खास कुछ ध्यान नहीं गया था पर मेरी नज़र चाची के मम्मों को देखने लगी थी.

अब मैंने ध्यान दिया था कि चाची के बूब्स बहुत बड़े है. हमारी बातें सामान्य ही होती रहती थीं.

अन्तर्वासना की कहानियों में मेरी रुचि बढ़ने लगी थी और साथ ही चाची की चूचियों को देखने का लगाव, सब इतनी तेज़ी से हुआ कि क्या बताऊं.

अब चाची को देखने का मेरा नज़रिया पूरी तरह से बदल गया था.
उसी चक्कर में मैं ज़्यादा समय फ्लैट पर बिताने लगा था.

एक बार चाची ने कहा कि मुझको कुछ कपड़े लेने हैं तो बाजार चलते हैं.
मैंने कहा- ठीक है, सरोजिनी मार्केट चलते हैं.

दो दिन बाद हम दोनों बाजार चले गए.
हम दोनों मेट्रो से गए थे.

वहां चाची ने कुछ कपड़े ले लिए.
उनको अपने लिए कुछ अन्दर पहनने वाले कपड़े खरीदने थे पर वे मेरी वजह से थोड़ा झिझक रही थीं.

मुझे समझ में आ गया क्योंकि वे बार बार मेरी तरफ देख रही थीं.

मैं- चाची आपको कुछ और लेना है क्या ?
चाची ने झिझकते हुए कहा- नहीं … अभी और कुछ … नहीं लेना … बस जरा …

मैंने पहले ही फ्लैट पर देखा था कि चाची की ब्रा एक साइड से थोड़ी फट सी गयी थी.
पर मैं भी बात करने में थोड़ा डर रहा था.

लेकिन इतनी दूर आ गए थे और थोड़ी समझदारी भी आ चुकी थी, तो हिम्मत करके मैंने

बात को आगे बढ़ाई- चाची, आप देख लीजिए. यहां और भी बहुत कुछ मिलता है … और बहुत सस्ता मिलता है.
चाची- नहीं राज … मुझे और कुछ नहीं लेना !
वे अभी भी थोड़ा अटक अटक कर बात कर रही थीं.

मैं- अरे कपड़ों से याद आया, मुझे अंडरवियर और बनियान लेना है. वह सब और ले लेते हैं, फिर वापस चलते हैं.
चाची- ठीक है.

जब मैंने मेरी अंडरवियर और बनियान ले लिए.
तो ऐसे ही मैंने चाची से थोड़ा खुल कर बात करने की कोशिश की और कामयाब भी हो गया- अरे चाची आपको भी अगर इनरवियर्स लेने हो, तो आप भी ले सकती हैं. यहां सब मिलता है.

चाची पहले तो एकदम से हक्की बक्की होकर देखने लगीं पर कुछ समय बाद वे भी बोलने लगीं- अरे हां, वह भी लेना है.
मैं- ठीक है, आप लेकर आओ. मैं यहीं हूँ शायद आपको मेरा वहां आना सही ना लगे.

चाची- ऐसा कुछ नहीं, तुम भी चलो. इनसे मोलभव कौन करेगा ?
जब हम वहां गए तो चाची ने उस दुकानदार से कहा कि उन्हें 30 की ब्रा चाहिए.
तो दुकानदार चाची के चूचे देखता हुआ बोला- जी आपको 30 नहीं 32 साइज़ आएगा !

तभी पता नहीं मुझे क्या हो गया, मैंने बोल दिया- हां, तभी तो पहले वाली ब्रा फट गई है !
पर ये सब मैंने बहुत धीरे बोला, सिर्फ़ चाची को सुनाई दिया था.

यह सुनकर वे भी एकदम से मेरी तरफ देखने लगी थीं.

मुझे लगा अब वे गुस्सा करेंगी.

पर उन्होंने कुछ भी नहीं कहा और 32 की ब्रा ले लीं.
चाची ने 3 पीस ले लिए थे.

फिर अब हम दोनों वापस आने लगे.
मेट्रो स्टेशन से थोड़ा पैदल चलना पड़ता है तो मैंने एक ई-रिक्शे को रोक लिया और हम दोनों उस पर बैठ गए.

जब हम दोनों रिक्शे में थे तो उधर का रास्ता थोड़ा खराब था.
रिक्शा अपना संतुलन खो रहा था और वह पूरी तरह से एक तरफ को झुकने लगा था.

चाची ने खुद को संभालने के लिए मेरी जांघ पर हाथ रखा और जोर से पकड़ लिया.

जब रिक्शा ठीक हुआ, तब मुझे लगा कि अब चाची हाथ उठा लेंगी.
पर उन्होंने अपना हाथ वहीं लगाए रखा.

मुझे ऐसा महसूस हो रहा था कि वे अपना हाथ धीमे धीमे वहीं पर सरका रही थीं.
उनका लक्ष्य शायद मेरा लंड था.

यह सोच कर ही मेरे अन्दर तो एकदम से झटका सा लगा और अन्दर तक सनसनी सी फैल गई.
मेरा लंड खड़ा होने लगा.

धीरे धीरे उनका हाथ भी लंड के बहुत करीब आने लगा था.

अब तो उनका हाथ सिर्फ़ नाम के लिए जांघ पर था, बाकी तो मेरे लौड़े से टच होने लगा था.

शायद उनको भी लंड की तपिश महसूस हुई होगी और उसकी हलचल का भी अहसास हो गया था.

उन्होंने मुझे देखा और एकदम अलग सा भाव दिया.
उनके चेहरे पर थोड़ी अलग सी मुस्कान स्माइल आ गई थी.

पर उसके बाद चाची ने अपना हाथ हटा लिया था.
हम दोनों मेट्रो से सफर करने के बाद कुछ ही देर बाद अपने फ्लैट पर पहुंच गए.

मैंने चाची से कहा- चाची दुकान पर जो हुआ, उसके लिए सॉरी !
चाची- क्या हुआ ? किस बारे में बोल रहे हो तुम ?

मैं- अरे चाची, वह आपकी ब्रा फट गई है, मैंने उस बारे में बोल दिया था न !
चाची- अरे राज उसमें क्या है. सच पूछो तो मैं खास उसी की वजह से शॉपिंग के लिए गयी थी. आज पर तुम्हारे सामने कैसे कहूँ, इस वजह से मुझे शर्म आ रही थी.

मैं- अरे उसमें क्या है यार, हम दोनों इतनी बातें तो कर ही सकते हैं. वैसे भी हम लोग एक ऐसे शहर में हैं, जहां यह सब एक साधारण सी बात है. हम लोग इतनी बातें तो कर ही सकते हैं.
चाची- हां सही है राज !

ऐसे ही कुछ दिन बीत गए.
अब हम दोनों आपस में थोड़ा खुल कर बातें कर लेते थे.

एक दिन चाची बाहर सब्जी लेने गयी, तो मुझे लगा कि उनको आने में अभी वक्त लगेगा. मेरा भी हिलाने का बहुत मूड था.

मैंने अन्तर्वासना पर कहानी पढ़ना चालू किया और कहानी पढ़ कर एकदम से मूड बन गया.
मेरा नहाना भी रह गया था तो मैं कच्छे में ही हो गया था.

मैं अपने बेडरूम में बैठ कर अपने लंड को सहला रहा था.
मैंने अपने 6.5 इंच के लंड को बाहर निकाला और धीरे धीरे हिलाने लगा.

मुझे पता ही नहीं चला कि चाची कब अन्दर आ गई थीं.

मेरा ध्यान जैसे ही उन पर गया, मैं एकदम से बौखला गया.
चाची ने यंग बॉय मास्टरबेशन का नजारा देख लिया था.

उस वक्त मुझे कुछ नहीं सूझा और मैं तुरंत बाथरूम में भाग गया.
मैं बहुत ज्यादा डर सा गया था.

मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था कि कैसे उनको मुँह दिखाऊं.
उस वक्त हुआ यह था कि चाची पैसे लेकर जाना भूल गयी थीं, इसलिए वे वापस आ गयी थीं.

मैं नहा कर तुरंत लाइब्रेरी चला गया और उनको मैसेज कर दिया कि दोपहर का मेरा खाना मत बनाना चाची, मैं दोस्त के साथ खाना खाने बाहर जा रहा हूँ.

उन्होंने मेरा मैसेज बस देखा और बिना कुछ कहे रह गईं.
अब मेरी और ज्यादा फटी.

रात को जब मैं फ्लैट पर गया तब चाची मोबाइल चला रही थीं.
मैं जाकर चुपचाप अपने बेड पर बैठ गया.

चाची ने मेरी तरफ देखा तो मुझे लगा कि अब वे बहुत गुस्सा करेंगी.

चाची- क्या हुआ राज … सुबह के गए अब आ रहे हो ?
मैं चुप रहा.

चाची- बोलो कुछ !
मैं- सॉरी चाची.

चाची- अरे यार वह तो सब नॉर्मल है … तुम इतना क्यों टेंशन ले रहे हो.
मैं- मैं बहुत डर गया था इसलिए दोपहर में भी नहीं आया.

चाची- पागल हो यार तुम … इतना डरने की क्या बात है इसमें ! तुम्हीं ने तो कहा था कि हम दिल्ली में रह रहे हैं, यहां ये सब नॉर्मल है. तुम लोगों को हफ्ते में 2 से 3 बार तो हिलाना ही चाहिए. उसी वजह से तुम्हारा मूड भी फ्रेश हो जाता है और पढ़ाई में भी कोई ग़लत असर नहीं पड़ता.
ये सब बातें सुनकर तो मेरे कान बजने लगे थे और मैं एकदम से किसी और दुनिया में खो गया था.

चाची मेरे कंधे को हिलाती हुई बोलीं- राज तुम किसी भी फालतू चीज़ का टेंशन मत लो … तुम बेवजह टेंशन ले रहे हो !
मैं- फिर से सॉरी चाची !

चाची- हां चल ठीक है … कोई बात नहीं, वैसे तुम पर अगर गुस्सा करना होता तो तभी कर देती जब तुम रात को अपने चादर के अन्दर हिला रहे थे, मैं तब भी जागी हुई थी.
मैं- अरे यार मतलब आप पहले ही मुझे पकड़ चुकी हैं ?

हम दोनों थोड़ा सहज होकर हल्का हल्का सा हंसने लगे.

चाची मेरे साथ थोड़ा और खुल कर बातें करने लगीं.

दोस्तो, मेरे साथ मेरी चाची किस तरह से चुदने को मचल गईं और उनके साथ मैंने किस तरह से चूत चुदाई का मजा लिया, यह सब मैं आपको यंग बॉय मास्टरबेशन स्टोरी के अगले भाग में लिखूँगा.
आप मुझे मेल जरूर करें.
rupeshv9968@gmail.com

यंग बॉय मास्टरबेशन स्टोरी का अगला भाग : दिल्ली में चाची की चूत का मज़ा- 2

Other stories you may be interested in

पार्क में मिला सलमानी मोटा लंड

न्यू गे बॉय सेक्स कहानी मेरे पहली बार गांड मरवाने की है. एक दिन मैंने गे वीडियो देखी तो मेरे मन में भी कुछ ऐसा ही करने की तलब जगी. एक दिन मैं एक पार्क में गया. मैं मयंक जैन […]
Full Story >>>

मेरी बेटी हो गई मेरी जैसी चुदक्कड़

माँ बेटी नंगी कहानी में पैसे की जरूरत के कारण मैं पैसे लेकर चुदाई करवाने लगी. मेरी बेटी जवान हुआ तो मुझे वह भी पैसा कमाने की मशीन दिखाई देने लगी. मैं फरज़ाना हूँ दोस्तो ! मैं 44 साल की एक […]
Full Story >>>

सविता की शादी की वर्षगांठ

पटेल दंपत्ति यानि सविता और अशोक ने अपनी शादी की सालगिरह पर एक शानदार पार्टी का आयोजन किया है. और तभी पार्टी में छेड़खानी शुरू हो गयी ! अशोक ने एक लड़की एनी की चूत को छुआ और इधर अंकल ने […]
Full Story >>>

शादी में मिली लड़की से दोस्ती और फिर चुदाई

वर्जिन टीन गर्ल फर्स्ट सेक्स की कहानी में पढ़ें कि एक शादी में मिली लड़की ने मुझसे फेसबुक पर सम्पर्क किया, दोस्ती की और फिर उसने हमारी दोस्ती को सेक्स की तरफ मोड़ दिया. नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम समीर है. […]
Full Story >>>

पड़ोसन आंटी की गांड मारी तेल लगा के

हार्ड गांड सेक्स कहानी में पढ़ें कि मैंने पड़ोस में रहने वाली आंटी की चूत दबा के मार ली तो चूत में दर्द होने लगा. तब मैंने आंटी की गांड मारने की सोची. वे मना करने लगी पर … दोस्तो, […]
Full Story >>>